Worksheet-2 Subject: - Hindi Class: - VII Teacher: - Mrs. Rekha Thakur

Name: _____ Class & Sec: _____ Roll No. _____ Date: 03.04.2020

अनौपचारिक पत्र किसे कहते हैं (informal letter)-

अनौपचारिक पत्र उन व्यक्तियों को लिखे जाते हैं, जिनसे पत्र लेखक का व्यक्तिगत या निजी सम्बन्ध होता है। अपने मित्रों, माता-पिता, अन्य सम्बन्धियों आदि को लिखे गये पत्र अनौपचारिक-पत्रों के अंतर्गत आते है। अनौपचारिक पत्रों में आत्मीयता का भाव रहता है तथा व्यक्तिगत बातों का उल्लेख भी किया जाता है। इस तरह के पत्र लेखन में व्यक्तिगत सुख-दुख का ब्योरा एवं विवरण के साथ व्यक्तिगत संबंध को उल्लेख किया जाता है।

अनौपचारिक-पत्र लिखते समय ध्यान रखने योग्य बातें :

(i) भाषा सरल व स्पष्ट होनी चाहिए।

(ii) पत्र लेखक तथा प्रापक की आयु, योग्यता, पद आदि का ध्यान रखा जाना चाहिए।

(iii) पत्र में लिखी बात संक्षिप्त होनी चाहिए।

(iv) पत्र का आरंभ व अंत प्रभावशाली होना चाहिए।

(v) भाषा और वर्तनी-शुद्ध तथा लेख-स्वच्छ होना चाहिए।

(vi) पत्र प्रेषक व प्रापक वाले का पता साफ व स्पष्ट लिखा होना चाहिए।

(vii) कक्षा/परीक्षा भवन से पत्र लिखते समय अपने नाम के स्थान पर क० ख० ग० तथा पते के स्थान पर कक्षा/परीक्षा भवन लिखना चाहिए।

(viii) अपना पता और दिनांक लिखने के बाद एक पंक्ति छोड़कर आगे लिखना चाहिए।

(ix) पत्र में काट छांट नही होनी चाहिए।

पत्र लेखन प्रारूप

निजी पत्र — रिश्तेदारों और मित्रों को

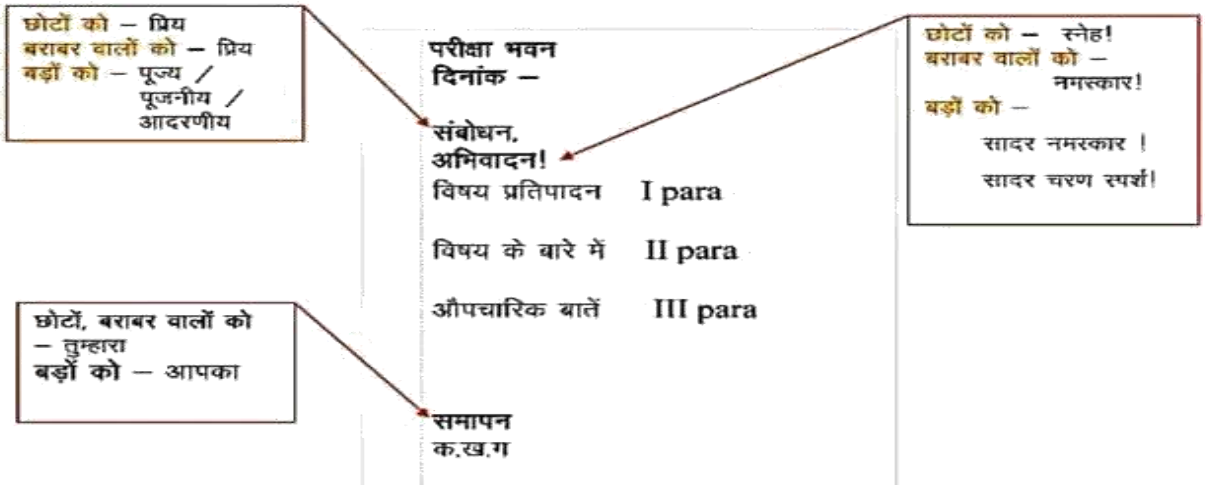

उदाहरण—

◆ **परिवार की जानकारी प्राप्त करने के लिए बुआ जी को पत्र।**

बी-49 चित्रा विहार
अंधेरी (ईस्ट), मुंबई-400017
31 मई, 20...

आदरणीय बुआ जी

आप कैसी हैं? मेरा पत्र देखकर चौंक गई न! यह पत्र मैं इसलिए लिख रहा हूँ कि आपसे अपने दादा-दादी, परदादा-परदादी आदि के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकूँ।

इस गरमी की छुट्टियों में मुझे गृहकार्य में एक वंशवृक्ष बनाना है जिसमें अपने पूर्वजों की अधिक से अधिक जानकारी देनी है। इस बारे में पापा-मम्मी तो दादा-दादी के बारे में ही थोड़ी-बहुत जानकारी दे पाए, उसके पहले का उन्हें कुछ ज्ञान नहीं। आप घर में सबसे बड़ी हैं, अतः आपको निश्चित रूप से ज्यादा पता होगा। आप मुझे अपने वंशवृक्ष के बारे में विस्तार से लिख भेजिए। मैं आपका बहुत आभारी रहूँगा। उस समय का रहन-सहन, खान-पान कैसा था? लड़कियों के प्रति व्यवहार कैसा था? उनके जन्म पर कोई आयोजन होता था या नहीं? आप भी घर की लड़की थीं, आपको अपने बचपन की कुछ विशेष बातें याद हों तो वे भी लिखिए। आपको इसके लिए समय तो देना पड़ेगा पर मुझे आशा है कि आप अपनी व्यस्त दिनचर्या से कुछ समय निकालकर मेरी मदद अवश्य करेंगी।

फूफा जी को मेरा प्रणाम कहना। दीदी और भैया को नमस्ते।

आपका भतीजा
अंकित

कक्षा-सात विषय-हिंदी

दिनांक-०२-०४-२०२० अनुक्रमांक-

अध्यापिका - रेखा ठाकुर

अनौपचारिक पत्र

- अपने दादाजी को पत्र लिखिए और बताइए कि आजकल करोना नामक बीमारी से बचने के लिए हमें क्या-क्या उपाय अपनाने चाहिए? तथा आप इस बीमारी से बचने के लिए क्या कर रहे है?

- अपनी चाची को उपहार के लिए धन्यवाद देते हुए पत्र लिखो।

निर्देश:-

- कार्य सफाई से करें।
- मात्राओं का ध्यान रखें।
- उचित भाषा का प्रयोग करें।